Bihar Board Class 7 Social Science Important Questions History Chapter 5 शक्ति के प्रतीक के रूप में वास्तुकला, किले एवं धर्मिक स्थल

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
कुतुबमीनार कितनी मंजिली इमारत है?
उत्तर:
कुतुबमीनार पाँच मंजिली इमारत है।

प्रश्न 2.
कुतुबमीनार का निर्माण किसने करवाया?
उत्तर:
कुतुबमीनार की पहली मंजिल का निर्माण 1199 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने और अगली चार मंजिलों का निर्माण 1229 के आस-पास इल्तुतमिश ने करवाया।

प्रश्न 3.
कुतुबमीनार इमारत किस कारण से क्षतिग्रस्त हो गई थी?
उत्तर:
यह इमारत आँधी-तूफ़ान तथा भूकम्प के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी।

प्रश्न 4.
खजुराहो समूह मंदिरों की क्या विशिष्टता थी?
उत्तर:
खजुराहो समूह में राजकीय मंदिर सम्मिलित थे, जहाँ सामान्य जन-मानस को जाने की अनुमति नहीं थी।

प्रश्न 5.
मंदिरों और मस्जिदों का निर्माण बहुत सुन्दर तरीके से क्यों किया जाता था?
उत्तर:
मंदिर और मस्जिद उपासना के स्थल थे और वे अपने संरक्षक की शक्ति, धन-वैभव तथा भक्तिभाव का प्रदर्शन करते थे, इसलिए इनका निर्माण बहुत सुन्दर तरीके से किया जाता था।

प्रश्न 6.
शाहजहाँ के काल में बनी तीन प्रसिद्ध इमारतों के नाम लिखिये।
उत्तर:
शाहजहाँ के काल में बनी तीन प्रसिद्ध इमारतें ये थीं-

- ताज महल (आगरा में),
- लाल किला और

https://www.evidyarthi.in/

- जामा मस्जिद (दोनों देहली में)।

प्रश्न 7.
राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण किसने कराया था?
उत्तर:
चोल नरेश राजदेव प्रथम ने।

प्रश्न 8.
कंदरिया महादेव मंदिर कब और किसने बनवाया था?
उत्तर:
यह चंदेल राजवंश के राजा धंगदेव द्वारा 999 ई. में बनवाया था।

प्रश्न 9.
शाहजहाँनाबाद किसने बसाया था?
उत्तर:
मुगल सम्राट शाहजहाँ ने।

प्रश्न 10.
स्वर्णमंदिर कहाँ स्थित है?
उत्तर:
स्वर्ण मंदिर अमृतसर (पंजाब) में स्थित है।

प्रश्न 11.
हुमायूँ के मकबरे की प्रेरणा किस भवन से ली गई थी?
उत्तर:
हुमायूँ के मकबरे की प्रेरणा मध्य एशिया स्थित तैमूर के मकबरे से ली गई थी।

प्रश्न 12.
वास्तुकला का 'चापाकार' रूप को समझाइए।
उत्तर:
दरवाजों और खिड़कियों के ऊपर की अधिरचना का भार मेहरावों पर डाल दिया जाता है। वास्तुकला का यह चापाकार रूप है।

प्रश्न 13.
'अनुप्रस्थ टोडा निर्माण' शैली क्या है?
उत्तर:
अनुप्रस्थ टोडा निर्माण शैली में छत, दरवाजे और खिड़कियाँ दो ऊर्ध्वाकार खंभों के आर-पार एक अनुप्रस्थ शहतीर रखकर बनाये जाते हैं।

प्रश्न 14.
अकबर द्वारा निर्मित आगरा किले के निर्माण हेतु कितने श्रमिकों की आवश्यकता पड़ी थी?
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

अकबर द्वारा निर्मित आगरा किले के निर्माण हेतु 2000 पत्थर काटने वालों, 2000 सीमेंट व चूना बनाने वालों तथा 8000 मजदूरों की आवश्यकता पड़ी।

प्रश्न 15.
बांग्ला-गुंबद क्या है?
उत्तर:
यह मुगल-स्मारकों की छतों का एक प्रकार है। इसकी प्रेरणा बंगाल की छप्पर की झोंपड़ियों से ली गई थी। इसलिए इसे बांग्ला-गुंबद कहा गया।

प्रश्न 16.
गोथिक शैली क्या है?
उत्तर:
गोथिक शैली फ्रांसीसी वास्तुकला शैली है। इसमें नुकीले ऊँचे मेहराब, रंगीन कांच का प्रयोग किया जाता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
12वीं शताब्दी में प्रौद्योगिकीय और शैली सम्बन्धी कौनसे दो परिवर्तन परिलक्षित होते हैं?
उत्तर:
12वीं सदी में प्रौद्योगिकीय तथा शैली सम्बन्धी दो प्रमुख परिवर्तन ये दिखाई देते हैं-
(1) शैली सम्बन्धी परिवर्तन-इस काल में दरवाजों और खिड़कियों के ऊपर अधिरचना का भार मेहराबों पर डाला गया। वास्तुकला की यह 'चापाकार शैली' कही गयी।

(2) प्रौद्योगिकीय परिवर्तन-इस काल में निर्माण कार्य में चूना-पत्थर सीमेंट का प्रयोग बढ़ गया। यह उच्च श्रेणी की सीमेंट होती थी। जिसमें पत्थर के टुकड़ों के मिलाने से कंकरीट बनती थी। इसकी वजह से विशाल ढाँचों का निर्माण सरलता और तेजी से होने लगा।

प्रश्न 2.
'एक विशाल मंदिर शासक और शासित विश्व का एक लघु रूप ही था।' स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
विशाल मंदिरों का निर्माण राजाओं ने करवाया था। मंदिर के अन्य लघु देवता शासक के सहयोगियों तथा अधीनस्थों के देवी-देवता थे। यह मंदिर शासक और उसके सहयोगियों द्वारा शासित विश्व का एक लघु रूप ही था। जिस तरह से वे राजकीय मंदिरों में इकट्ठे होकर अपने देवताओं की उपासना करते थे, ऐसा प्रतीत होता था, मानो उन्होंने देवताओं के न्यायप्रिय शासन को पृथ्वी पर ला दिया हो।

प्रश्न 3.
सत्ता में आने पर प्रत्येक राजवंश के राजा ने शासक होने के नाते अपने नैतिक अधिकार पर जोर किस प्रकार डाला?
उत्तर:

- सत्ता में आने पर प्रत्येक राजवंश के राजा ने उपासना स्थलों का निर्माण किया। उपासना के स्थानों के निर्माण ने शासकों को ईश्वर के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध की उद्घोषणा करने का मौका दिया।

https://www.evidyarthi.in/

- शासकों ने विद्वान तथा धर्मनिष्ठ व्यक्तियों को भी आश्रय दिया।
- उन्होंने अपनी राजधानियों तथा नगरों को महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक केन्द्रों के रूप में परिवर्तित करने के प्रयास किये।

प्रश्न 4.
न्यायप्रिय राजा का राज होने की व्यापक समझ क्या थी?
उत्तर:
न्यायप्रिय राजा का राज होने की व्यापक समझ ये थी कि-

- न्यायप्रिय राजा के राज में खुशहाली होगी।
- न्यायप्रिय राजा के राज में वर्षा पर्याप्त होगी।
- न्यायप्रिय राजा बहुमूल्य पानी उपलब्ध करवाने के लिए हौजों तथा जलाशयों का निर्माण करायेगा।

प्रश्न 5.
कुतुबमीनार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
कुतुबमीनार-

- पांच मंजिली इमारतकुतुबमीनार एक पांच मंजिली इमारत है।
- अभिलेख-इसकी पहली मजिल पर अरबी भाषा में अभिलेखों की पट्टियाँ लगी हुई हैं।
- बाहरी हिस्सा-मीनार का बाहरी हिस्सा घुमावदार तथा कोणीय है। ऐसी सतह पर ये अभिलेख लगाए गए हैं।
- अन्य विशिष्टताएँ-यह इमारत पत्थर तथा ईंटों की बनी हुई है। यह इमारत आँधी, तूफान तथा भूकम्प के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी जिसकी अलाउद्दीन खलजी, मुहम्मद तुगलक, फिरोज तुगलक, इब्राहिम लोदी ने समयसमय पर मरम्मत करवाई।

प्रश्न 6.
कंदरिया महादेव मंदिर का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
उत्तर:
कंदरिया महादेव मंदिर-

- शिव की स्तुति में बनाए गए कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल राजवंश के राजा चंगदेव द्वारा 999 ई. में किया गया था।
- एक अलंकृत द्वार से इसके प्रवेश और मुख्य सभा भवन (महामंडप), जहाँ नृत्य का आयोजन होता था, तक पहुँचा जाता था।
- प्रमुख देवता की मूर्ति गर्भगृह में रखी जाती थी। धार्मिक अनुष्ठान इसी जगह से सम्पन्न किए जाते थे।
- ये मंदिर सुपरिष्कृत उत्कीर्णित मूर्तियों से अलंकृत थे।

प्रश्न 7.
राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण किस प्रकार संभव हो सका?
उत्तर:
राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण-

https://www.evidyarthi.in/

- तंजावूर के राजराजेश्वर मंदिर का शिखर उस समय के मंदिरों में सबसे ऊँचा था।
- शिखर के शीर्ष पर 90 टन का पत्थर ले जाने के लिए वास्तुकारों ने मंदिर के शीर्ष तक पहुँचने के लिए चढ़ाईदार रास्ता बनवाया।
- रोलरों द्वारा भारी पत्थरों को इस रास्ते से ऊपर ले जाया गया।
- इस काम के लिए चार किलोमीटर से ज्यादा लंबा पथ तैयार किया जाता था, जिससे चढ़ाई बहुत खड़ी न हो।
- मंदिर बन जाने के बाद इस पथ को गिरा दिया गया।

प्रश्न 8.
हुमायूँ के मकबरे की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
हुमायूँ के मकबरे की मुख्य विशेषताएँ-

- इस मकबरे के निर्माण की प्रेरणा अकबर के वास्तुशिल्पियों ने उसके मध्य एशियायी पूर्वज तैमूर के मकबरों से ली थी।
- इस मकबरे में बहुत ऊँचा केन्द्रीय गुम्बद तथा ऊँचा मेहराबदार प्रवेशद्वार (पिश्तक) था।
- यह मकबरा एक विशाल औपचारिक चार बाग के मध्य में स्थित था।
- इसमें एक केन्द्रीय कक्ष, आठ कमरों से घिरा था।
- इसका निर्माण लाल बलुआ पत्थर से हुआ था तथा इसके किनारे सफेद संगमरमर के बने थे।

https://www.evidyarthi.in/